एच० जे० मैकिंडर का हृदय स्थल सिद्धांत
(H. J. Makinder's Heart land Theory)

भूगोल में भू-राजनीति विचार-धारा की एक लम्बी परम्परा रही है। लेकिन इसका जन्म द्वितीय विश्व युद्ध के समय जर्मनी में हुआ। परंतु, सर्व प्रथम स्वीडेन भूगोलवेत्ता जेलेन ने भू-राजनीति (Geo-Politics) शब्द का प्रयोग किया था। पूर्व में रैटजेल ने 1897 ई० में भू-राजनीति की संकल्पना का बीजारोपण किया था इसके बाद अनेक विद्वानों ने विश्व के अनेक सामरिक स्थानों पर विचार देना शुरू कर दिया। जर्मन भूगोल वेत्ता हॉशॉफर ने अपनी कृति 'मीन कैम्फ' (Mein Kampf) में Geo-Politics पर अपनी विचार धारा का विस्तार से वर्णन किया। उसके अनुसार यह एक जैविक सोच है और जीवों की तरह इसका विस्तार तथा संकुचन होना चाहिए। बाद में हिटलर को हॉशॉफर की विचारधारा बहुत पसंद आयी। इसकी परिणति के रूप में द्वितीय विश्व युद्ध हुआ।

एच० जे० मैकिंडर का योगदान -

मैकिंडर ब्रिटेन के प्रसिद्ध भूगोलविद एवं महान विचारक थे। वे लंदन विश्व विद्यालय में भूगोल के आचार्य हुए और बाद में लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के निदेशक चुने गये। इनके वृद्ध की वर्ष बाद उन्हें ब्रिटिश संसद के सदस्य मनोनीत किये गये। आप ने अपनी लेखनी की मदद से राजनीतिक भूगोल के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उसने 1890 ई० में अपने प्रथम लेख में The Physical basis of Political Geography प्रकाशित हुआ।

सन् 1904 ई० में उनकी दूसरी लेख प्रकाशित हुआ जो Geographical Pivot of History शीर्षक के रूप में दुनिया के सामने आया। 1919 ई० में उनकी प्रसिद्ध कृति 'Democratic Ideas and Reality' प्रकाशित हुई। सन् 1943 ई० में उनकी तीसरी लेख 'The Round World and the winning of Peace' लिखा।

हार्टलैण्ड सिद्धांत

मैकिंडर ने अपने प्रथम शोध पत्र (1904 ई०) में पूर्वी यूरोपीय भाग को भौगोलिक धुरी के रूप में चिह्नित किया। उसने उस भाग के भौगोलिक अवस्थिति, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तथा संसाधनों के बहुलता को देखकर ही धुरी कहा था। मैकिंडर के अनुसार पूर्वी यूरोप के भाग सामरिक दृष्टिकोण से सबसे महत्वपूर्ण

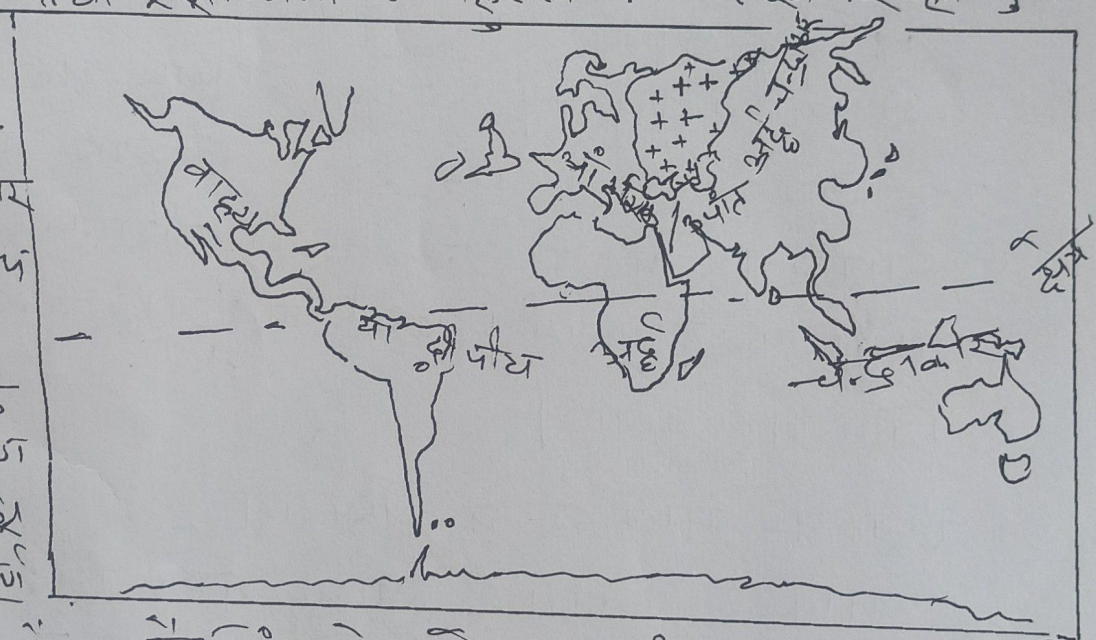

भाग है। मैकिंडर ने यूरोप, अफ्रीका तथा एशिया को मिलाकर 'विश्व द्वीप' कहा। वाह्य या द्वीपीय अर्द्ध चन्द्राकार क्षेत्र को सम्मिलित रूप को 'विश्व' कहा। सन् 1919 में धुरी क्षेत्र को हार्टलैण्ड/हृदय स्थल कहा। उसने अपनी भू-रणनीतिक परिकल्पना को निम्नांकित कथन में व्यक्त किया।

Who rules East Europe
commands the Heartland
Who rules the Heartland
commands the World Islands
Who rules the World Islands
commands the world.

जो पूर्वी यूरोप पर शासन करेगा
वह हृदय स्थल पर अधिकार स्थापित करेगा
जो हृदय स्थल पर शासन करेगा
वह विश्व द्वीप पर अधिकार स्थापित करेगा
जो विश्वद्वीप पर शासन करेगा
वह संसार पर अधिकार स्थापित करेगा

हृदय स्थल सिद्धांत का मूल्यांकन

मैकिंडर ने हृदय स्थल सिद्धांत, 1914 ई० में विश्व युद्ध की घटनाओं ने उसे पुनः संशोधित करने पर बाध्य किया। साथ ही विश्व के देशों को सावधान किया कि पूर्वी यूरोप ही आगामी द्वितीय विश्व का कारण बन सकता है। हृदय स्थल सिद्धांत का मूल्यांकन निम्न बिन्दुओं के संदर्भ में किया जा सकता है —

1) मैकिंडर ने केवल सामुद्रिक शक्ति को सर्वोपरि मान कर हृदय स्थल को अभेद्य माना।
2) इस सिद्धांत में भविष्य की सैन्य प्रौद्योगिकी, टैंक प्रक्षेपास्त्र, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, अन्तरिक्ष युद्ध आदि के बारे में सही अनुमान नहीं किया।
3) इस सिद्धांत में चीन एवं भारत जैसे जन संकुल देशों की शक्ति का सही आकलन नहीं किया गया।

4) मैकिंडर सं० रा० अमेरिका की भू सामरिक शक्ति का सही अनुमान नहीं कर सके।

5) इस सिद्धांत में यह कल्पना नहीं की कि रूस अपनी प्राकृतिक संपदा का दोहन कर स्वयं भी एक विश्व महाशक्ति बन सकता है।

6) मैकिंडर ने हृदय-स्थल क्षेत्र के विकास एवं राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहित करने में रेल के महत्व को काफी बढ़ा चढ़ा कर प्रस्तुत किया है।

7) परिवर्तनशील तकनीकी दौर में मैकिंडर का हृदय स्थल सुरक्षित नहीं है।

मैकिंडर का हृदय स्थल सिद्धांत तत्कालीन परिस्थितियों - राजनीतिक एवं ऐतिहासिक घटनाओं पर आधारित था। इसलिए कुछ कमियों का होना स्वाभाविक है। वर्तमान समय विश्व की बदलती सामरिक तैयारियाँ, उभरते नये विश्व शक्तियाँ एवं प्रौद्योगिकी ने इस सिद्धांत के महत्व पर प्रश्नचिह्न उत्पन्न कर दिया है।

— x —— x —